भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या 3803
गुरुवार, 23 मार्च, 2023 /2 चैत्र, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाईअड्डों का विनिवेश

3803. श्री ए.राजा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में हवाईअड्डों के विनिवेश का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान निजी कंपनियों को दिए गए हवाई अड्डों की पूरी सूची क्या है और प्रत्येक हवाईअड्डे से हुई आय का ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत वर्षों में सरकार द्वारा इन हवाईअड्डों के निर्माण पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क): राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के अनुसार, 2022 से 2025 तक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) के 25 हवाईअड्डों को पट्टे पर देने के लिए चिन्हित किया गया है।
(ख): भाविप्रा ने अपने आठ हवाईअड्डों, नामतः दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से प्रचालन, प्रबंधन एवं विकास हेतु दीर्घावधि के लिए पट्टे पर दिया है।

इनमें से दिल्ली और मुंबई हवाईअड्डों को 2006 में सौंप दिया गया था। पिछले पांच वर्ष, यानी 2017-18 से 2021-22 तक, भाविप्रा को दिल्ली हवाईअड्डे से लगभग 5500 करोड़ रुपये और मुंबई हवाईअड्डे से 5174 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।
पीपीपी के तहत, हाल ही में अवार्ड किए गए 06 हवाईअड्डों, नामतः मंगलुरु, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम को क्रमशः, दिनांक 31.10.2020, 02.11.2020, 07.11.2020, 08.10.2021, 11.10.2021 और 14.10.2021 को रियायतग्राहियों को सौंपा गया है। फरवरी, 2023 तक इन छः हवाईअड्डों के लिए, भाविप्रा को, रियायतग्राहियों से रियायत शुल्क के रूप में, लगभग 896 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा, भाविप्रा द्वारा इन हवाईअड्डों पर किए गए पूंजीगत व्यय के लिए अग्रिम शुल्क के रूप में लगभग 2349 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

(ग) : पीपीपी प्रक्रिया के दौरान अर्थात मार्च, 2018 से पीपीपी भागीदारों को इन हवाईअड्डों के सौंपे जाने तक, भाविप्रा ने हाल ही में अवार्ड किए गए, इन छः पीपीपी हवाईअड्डों पर पूंजीगत कार्यों के लिए लगभग 1970 करोड़ रुपये की राशि व्यय की है। भाविप्रा द्वारा वहन किए गए, इस पूंजीगत व्यय का भुगतान, पीपीपी भागीदारों द्वारा भाविप्रा को किया जा चुका है।

****